# सावधानी पूर्वक करें कीटनाशक दवाओं का प्रयोग

**अलीमुल इस्लाम[1]* एवं सूर्य नारायण[2]**

[1]कृषि प्रसार विभाग, शुआट्स, प्रयागराज

[2]उद्यान विज्ञान विभाग, कुलभास्कर आश्रम पी जी कॉलेज, प्रयागराज

**पत्राचारकर्ता : alikhan9695@gmail.com**

## परिचय

आधुनिक युग में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए कीटनाशक का प्रयोग अधिक किया जा रहा है। फसल की कम पैदावार के कई कारणों में से खरपतवार एवं कीट की बीमारियाँ प्रमुख हैं। अच्छे फसलोत्पादन हेतु बुवाई से लेकर कटाई तक रसायनों का प्रयोग किया जाता है। बीज बुवाई के पहले बीजोपचार तथा बुवाई के पश्चात् कीट-नियंत्रण एवं समय-समय पर बीमारियों से रक्षा हेतु रासायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है। कीटनाशकों के प्रयोग करते वक्त अति सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। यदि इन रसायनों का सावधानी पूर्वक प्रयोग नहीं किया गया, तो यह मनुष्यों, पशुओं एवं पक्षियों इत्यादि के लिए हानिकारक हो सकते है।

रसायनों का चयन करते समय सम्बन्धित फसल, फसल पूरी होने की अवधि, फसल की अवस्थाओं एवं फसल पर रसायनों के प्रयोग का सही समय जानना अति आवश्यक है। इसके साथ ही साथ डिब्बों पर अंकित निर्देशो, संकेतों, तिथि की जानकारी के अभाव में एवं गलत प्रयोग से किसान भाईयों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कीटनाशक, फफूँदीनाशक और खरपतवार नाशक रसायनों के प्रयोग में किसान भाईयों को निम्न सावधानियाँ बरतनी चाहिए। उनका विवरण नीचे दिया जा रहा है।

## रसायनों की खरीद एवं भण्डारण में सावधानियाँ

रसायन हमेशा अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदना चाहिए एवं खरीदते समय डिब्बे पर लेबिल आई.एस.आई. आदि चिन्हों, रसायनों के प्रयोग की अन्तिम तिथि को भी सावधानीपूर्वक अवश्य ही पढ़ लेना चाहिए तथा उन्हीं रसायनों को खरीदना चाहिए, जो कि भारत सरकार की रजिस्ट्रेशन कमेंटी से पंजीकृत हों या निर्धारित किये गये हों।

दवा को किसी सुरक्षित स्थल पर बच्चे, बूढ़े तथा पशुओं की पहुँच से दूर रखें। दवा की शीशी, पैकेट, डिब्बे को कभी भी फर्श पर न रखें जहाँ ठोकर लगने से गिर सकता है। दवा को हमेशा लेबल लगे डिब्बे में ही रखना चाहिए एवं कभी भी खाने पीने के डिब्बे में न रखे। कीड़े मारने तथा खरपतवार नष्ट करने की दवाओं को एक दूसरे से दूर रखना चाहिए। इनके आस-पास खाने-पीने की चीजें आदि दवा से पर्याप्त दूरी पर रखें। रसायन को कभी भी सूंघने तथा चखने की कोशिश न करें एवं दवा के प्रयोग के बाद पैंकिग को खेतों में गड्ढों में दबा देना चाहिए।

## छिड़काव से पूर्व सावधानियाँ

प्रयोग से पहले किसान भाईयों को निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिए।

- रसायनों पर लगे लेबल तथा उसके साथ मिलने वाली विवरणिका में दिये गये निर्देशों को अवश्य पढ़ें तथा समझें।
- रसायनों/कीटनाशकों एवं खरपतवार नाशकों की सही मात्रा की गणना अवश्य करें।
- सुरक्षा उपकरणों को चेक करें।
- दवाओं का पैकेट व डिब्बा खोलते समय किसी प्रकार का रिसाव न होने दें।
- सभी रसायनों को खुले तथा हवादार स्थान में गहरे बर्तन में घोल कर मिलाना चाहिए।
- घोल बनाते समय खाने-पीने की वस्तुओं का सेवन न करें। यदि घोल बनाते समय अथवा टैंक भरते समय किसी प्रकार का रिसाव हो तो उसे तुरन्त साफ कर दें।
- एक से अधिक रसायनों को मिलाकर घोल नहीं बनाना चाहिए। हाथों में दस्ताने, चेहरे पर नकाब एवं सिर पर टोपी लगानी चाहिए।

## छिड़काव के दौरान सावधानियाँ

फसल में दवा का छिड़काव करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए :

- छिड़काव के समय सुरक्षा वस्त्र व उपकरण अवश्य पहनें।
- हवा के बहाव के दिशा में ही मुँह करके छिड़काव करें तथा आँखों पर चश्मा अवश्य लगायें।
- स्प्रेयर को किसी नोजल अथवा उपकरण में मुँह लगाकर घोल खीचनें का प्रयास न करें।
- उपकरण में किसी भी प्रकार का रिसाव नही होना चाहिए।
- वर्षा के पहले एवं वर्षा के तुरन्त बाद छिड़काव नहीं करना चाहिए।
- सिर्फ उन्हीं जीवनाशक/रसायन का छिड़काव करना चाहिए, जो सिर्फ हानिकारक कीटों/फफूँदों को मारतें हो एवं लाभदायक कीटों या जैविक नियंत्रण कारकों को कोई हानि नहीं पहुँचाते हो।
- दवा का छिड़काव संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।
- छिड़काव तेज धूप एवं तेज हवा में नहीं करना चाहिए। छिड़काव करते समय या तुरन्त बाद पशुओं/मजदूरों को खेत में नहीं जाने देना चाहिए।
- स्प्रयेर को अच्छी तरह से प्रयोग से पहले एवं प्रयोग के बाद धोना चाहिए व नोजल की बराबर सफाई करना चाहिए। खड़ी फसलों में स्प्रेयर गार्ड अवश्य लगाना चाहिए।

## छिड़काव के बाद सावधानियाँ

दवा छिड़काव का कार्य समाप्त होने पर जो सावधानियाँ बरतनी चाहिए निम्नलिखित हैं-

- रसायन के खाली डिब्बों को प्रयोग में न लाकर उन्हें जला दें या जमीन में खोदकर गाड़ दें।
- छिड़काव समाप्त होने पर टैंक में बचे हुए घोल को पानी में मिलाकर किसी सुरक्षित स्थान में गड्ढा खोद कर डाल दें एवं गड्ढे को मिट्टी से ढक दें।
- छिड़काव में लाये गये बर्तन का उपयोग घर में न करें।
- उपकरण को ठीक प्रकार से साफ कर दें।
- प्रयोग में उपयोग किये गये वस्त्रों को साबुन से धोकर धूप में सुखाना चाहिए एवं इसके बाद स्नान अवश्य करें।
- उपचारित खेतों से कुछ दिनों तक चारा, सब्जी एवं भोजन का प्रयोग न करें।
- बचे हुए रसायन को अच्छी तरह ढक्कन से बंद करके सुरक्षित ठंडे स्थान पर रखें।
- छिड़काव के बाद कोई भी शारीरिक परेशानी हो तो तुरन्त चिकित्सक की सलाह लें तथा उपचार करायें।

## निष्कर्ष

अधिक पैदावार लेने के लिए किसान आजकल कीटनाशकों का प्रयोग अधिक कर रहा है। हालाकि वह फसलों के मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसका सबसे अधिक असर प्रयोग के दौरान किसान के स्वास्थ्य पर पड़ता है। ऐसे में किसानों को कीटनाशकों का प्रयोग करते समय खास सावधानी रखनी चाहिए। ये कीटनाशक जहरीले तथा मूल्यवान होते हैं जिनके प्रयोग की जानकारी न होने के कारण इनसे नुकसान भी हो सकता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखने के साथ-साथ इनके प्रयोग के समय क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए, इसकी जानकारी किसानों को होना आवश्यक होता है कि उन पर लिखे हुए निर्देशों का पालन ठीक ढंग से किया जाए। जिसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। क्योंकि थोड़ी सी भी असावधानी होने से बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।

❖❖